वर्ष–28, अंक: अप्रेल 2024–मार्च 2025

प्रारम्भ

सिकोईडिकोन
परिवार की पत्रिका

cecoedecon

Planning Workshop
with Stakeholders

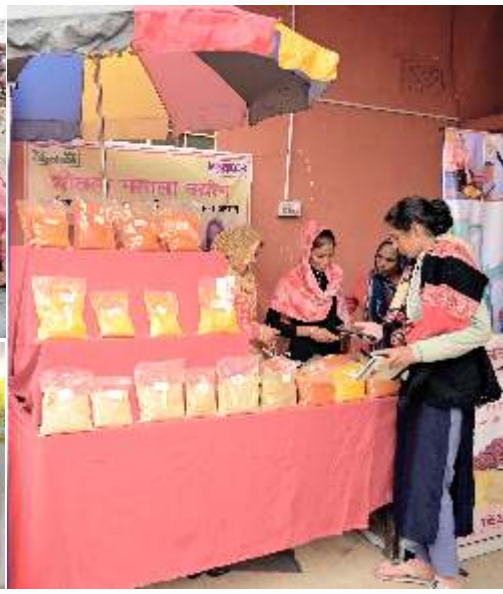

संस्थागत विकास कार्यक्रम

जन संगठनों के चुनाव हुए सम्पन्न

किसान सेवा समिति एवं किसान सेवा समिति महासंघ एक जनसंगठन के रूप में सामाजिक विकास के कार्यो में संलग्न है। संगठन के सुचारू संचालन, पारदर्शिता एवं सहभागी प्रक्रिया को सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक तीन वर्ष में किसान सेवा समिति व किसान सेवा समिति महासंघ की कार्यकारिणी सदस्यों व पदाधिकारियों के चुनाव का प्रावधान है। पिछला कार्यकाल पूर्ण होने के पश्चात् नए सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया जनवरी, 2024 से मई, 2024 के मध्य सम्पन्न हुई, जिसमें सामूहिक सहमति से चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद की कार्यकारिणी चुनी गई। चाकसू में श्रीमती कृष्णा जी, फागी में श्री हनुमान यादव, निवाई में श्री मदन लाल शर्मा, मालपुरा में श्री जगदीश शर्मा व शाहबाद में श्री मथुरा लाल सहरिया, अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। इसके साथ ही किसान सेवा समिति महासंघ के अध्यक्ष पद हेतु श्री बद्री जाट व सचिव पद के लिए श्री भगवान सहाय दाधीच चुने गए।

जन संगठनों के प्रयासों से हुआ स्थानीय समस्याओं का निवारण

ग्राम विकास समिति, किसान सेवा समिति एवं युवा मंडल द्वारा विभिन्न स्थानीय मुद्दों एवं समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराते हुए उनके निराकरण के मजबूत प्रयास किए हैं। इस संदर्भ में संगठनों द्वारा संबंधित सरकारी अधिकारियों एवं विभागों से संपर्क कर एवं ज्ञापन के माध्यम से चारागाह अतिक्रमण, सड़क निर्माण, परिवहन सुविधा, बीसलपुर पेयजल, फसल बीमा योजना, फसल खराबा, अध्यापकों की नियुक्ति, पशु टीकाकरण आदि से जुड़ी समस्याओं के निराकरण हेतु अवगत करवाया गया है एवं उनका निस्तारण भी करवाया गया है।

वंचित वर्ग को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के प्रयास

सिकोईडिकोन एवं किसान सेवा समिति द्वारा वंचित वर्ग को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से जुड़वाना निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया के तहत् वर्ष 2024–25 में करीब 2500 लाभार्थियों को नरेगा, खाद्य सुरक्षा, पालनहार, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन जैसी योजनाओं से जोड़ा गया। इस प्रयास से जनसंगठनों की स्थानीय समुदाय व प्रशासन में पहचान मजबूत हुई है।

शीर्ष संस्थाओं का प्रशिक्षण

जन संगठनों की क्षमताओं का विकास करने एवं विभिन्न सामाजिक विकास के मुद्दों पर समझ बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष किसान सेवा समिति, किसान सेवा समिति महासंघ के सदस्यों का प्रशिक्षण रखा जाता है। 26 जुलाई, 2024 को शीलकी डूंगरी में आयोजित प्रशिक्षण में संगठनात्मक मूल्यों व प्रक्रियाओं पर एक सत्र का आयोजन रखा गया, जिसमें नेतृत्व क्षमता, समानता, पारदर्शिता व दस्तावेजीकरण पर चर्चा की गई। दूसरे सत्र में जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए किए जाने वाले स्थानीय प्रयासों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता बनाने हेतु PESA एक्ट पर एक विशेष सत्र रखा गया। इस प्रशिक्षण में करीब 80 प्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

जन संगठनों का शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण

जन संगठनों की विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर समझ बढ़ाने एवं नवाचार को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से सिकोईडिकोन द्वारा शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया जाता है। इस भ्रमण के अंतर्गत जन– संगठन के सदस्य ऐसी संस्था का भ्रमण करते हैं जो सामाजिक विषयों पर मजबूती से कार्य कर रही है। अक्टूबर, 2024 में किसान सेवा समिति द्वारा जमनालाल बजाज फाउण्डेशन द्वारा खाटू श्यामजी में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला में भाग लिया। तीन दिवसीय कार्यशाला में सुप्रसिद्ध कृषि विशेषज्ञ श्री सुभाष पालेकर द्वारा प्राकृतिक कृषि की विभिन्न पद्धतियों से संबंधित सत्र लिए व किसानों से संवाद किया। किसान सेवा समिति के 33 सदस्यों ने इस कार्यशाला में भाग लिया व प्राकृतिक खेती के गुर सीखे। इसके अतिरिक्त युवा मंडल के सदस्यों ने कोटा के जाखेड़ा ग्राम में स्थित गोयल ग्रामीण विकास संस्था द्वारा स्थापित श्री शांताय कृषि फार्म का भ्रमण किया और वहॉ जैविक खेती के कार्यों को देखा व समझा। चाकसू व निवाई के करीब 40 युवाओं ने इस भ्रमण में भाग लिया।

विकास से कोई पीछे ना छूटे –एक नई पहल

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा चलाई गई सतत् विकास लक्ष्यों की मुहिम का एक प्रमुख वाक्य है कि ''No one left behind' अर्थात कोई भी विकास से पीछे ना छूटे। इसी सोच को ध्यान में रखते हुए सिकोईडिकोन द्वारा फागी तहसील के तीन गॉव– बीची, मुरतपुरा व भानपुरा को LNOB Village (Leave No One Behind Village) के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसके तहत् यह प्रयास किया जा रहा है कि इन चिन्हित गॉवों का कोई भी व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से छूटे नहीं। इसके तहत् उपरोक्त तीनों गॉवों की आधारभूत जानकारी जुटाने के पश्चात् उन लोगों को चिन्हित किया गया जो सामाजिक सुरक्षा योजना से छूटे हुए हैं। इसके पश्चात् उनको संबंधित योजना से जोड़ने हेतु उनके ज़रूरी दस्तावेज़ों को जुटाकर संबंधित विभाग में पेश किए गए। अभी तक ऐसे 55 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। इस प्रक्रिया में जन संगठन, पंचायत प्रतिनिधि व स्थानीय प्रशासन का भी सहयोग सुनिश्चित किया गया है।

युवा सम्मेलन

सिकोईडिकोन संस्था द्वारा युवाओं में नेतृत्व क्षमता के विकास एवं सामाजिक विकास पर उनकी समझ बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष युवा सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। 16 अक्टूबर, 2024 को युवा सम्मेलन संस्था के शीलकी डूंगरी परिसर में आयोजित किया गया। सम्मेलन में चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद के युवाओं ने उनके द्वारा किए जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यों को साझा किया। दूसरे सत्र में सामाजिक विकास में जनसंगठनों की भूमिका व उनकी जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। एक अन्य सत्र में यूएनएफपीए के श्री मनीष ने चैट बॉट एप्लीकेशन के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी बढ़ाने की जानकारी देते हुए इसके उपयोग पर अभ्यास के माध्यम से चर्चा की। इसके अतिरिक्त युवाओं ने खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी बढ़–चढ़कर भाग लिया। इस सम्मेलन में करीब 80 युवाओं ने भागीदारी की।

क्लाईमेट शाला

जलवायु परिवर्तन पर युवाओं की समझ बढ़ाने और जलवायु संकट का सामना करने में उनकी भूमिका को ध्यान में रखते हुए क्लाईमेट शाला का आयोजन संस्था के शीलकी डूंगरी परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ श्री अजय झा ने युवाओं को संबोधित करते हुए जलवायु परिवर्तन के कारणों व प्रभावों पर प्रकाश डाला और जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए स्थानीय स्तर पर किए जा सकने वाले कार्यों पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन पर दुनिया में चल रही प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी गई।

भोपाल में हुआ **Pre-CoP** का सफल आयोजन

जलवायु परिवर्तन पर बाकू (अज़रबैजान) में हुए वैश्विक सम्मेलन कॉप–29 से पूर्व भोपाल में प्री–कॉप का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के संकट का सामना करने में भारत द्वारा किए जा रहे प्रयासों में राज्यों की भूमिका पर चर्चा करना एवं वैश्विक विकास की प्रक्रियाओं पर राज्यस्तर पर एक सहभागी मंच तैयार करना था।

इस कार्यक्रम का आयोजन अटल बिहारी वाज़पेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल एवं मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकी परिषद द्वारा किया गया। सिकोईडिकोन इस कार्यक्रम की सह–आयोजक संस्था थी। प्री–कॉप का उद्घाटन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में मध्य प्रदेश शासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए जा रहे प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन पर आयोजित विभिन्न सत्रों में विषय–विशेषज्ञों, जन संगठनों व मीडिया प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि प्री–कॉप का आयोजन किसी राज्य सरकार द्वारा किया जाने वाला अपने तरह का पहला आयोजन था।

कॉप–29 में सिकोईडिकोन की भागीदारी

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जलवायु परिवर्तन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन नवम्बर, 2024 में बाकू (अज़रबैज़ान) में किया गया। इस आयोजन में सिकोईडिकोन संस्था द्वारा सक्रिय भागीदारी की गई। इस सम्मेलन में सिकोईडिकोन व पैरवी संस्था द्वारा दो साइड इवेंट्स का आयोजन किया गया, जिनमें जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए विकसित राष्ट्रों द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता को बढ़ाने एवं उसे कर्ज़ के रूप में न देने की बात पुरजोर तरीके से की गई। उल्लेखनीय है कि विभिन्न देशों व जन संगठनों के दबाव के कारण अन्ततः वित्तीय सहायता राशि को बढ़ाकर 3 ट्रिलियन डॉलर कर दिया गया है। मगर भारत सहित बहुत से देशों द्वारा असंतोष व्यक्त किया गया है। इस सम्मेलन में सिकोईडिकोन व पैरवी के पॉच सदस्यों का एक प्रतिनिधि मंडल भी शामिल हुआ।

यू एन एफ पी ए के शीर्ष अधिकारियों का महिला कृषकों से संवाद

यू एन एफ पी ए के प्रतिनिधि मंडल द्वारा सिकोईडिकोन द्वारा जलवायु परिवर्तन पर किए जा रहे कार्यों को समझने व महिला कृषकों से चर्चा हेतु महिला कृषक संवाद में भागीदारी की गई। इस कार्यक्रम में यू एन एफ पी ए की भारत की प्रतिनिधि सुश्री एन्ड्रिया के साथ वरिष्ठ अधिकारियों ने संस्थागत कार्यों पर चर्चा की। इस अवसर पर महिला किसान प्रतिनिधियों ने उनके द्वारा किचन गार्डन, पोषण वाटिका व आज़ीविका के कार्यों के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्ति महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा चलाई जा रही मसाला यूनिट व राजस्थानी महिला सहकारी समिति का भी निरीक्षण किया। महिला किसानों द्वारा देशज़ खाद्यान्न व उत्पादों की स्टॉल का भी अवलोकन किया गया।

पंचायत प्रतिनिधियों एवं सरकारी अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें

पंचायत प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों एवं जनसंगठनों के बीच तालमेल को मजबूत करने एवं स्थानीय चुनौतियों व समस्याओं के निराकरण हेतु सहभागी प्रयास को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से सिकोईडिकोन और किसान सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में पंचायत प्रतिनिधियों एवं सरकारी अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकों का आयोजन किया गया। चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद में आयोजित इन बैठकों में जन संगठनों द्वारा स्थानीय समस्याओं से सरकारी अधिकारियों व पंचायत प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया और उनके निदान हेतु सुझाव भी दिए। इस अवसर पर सरकारी अधिकारियों द्वारा विभिन्न विभागों की सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पंचायत प्रतिनिधियों ने अपनी पंचायत में किए जा रहे कार्यों व नवाचारों का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

आजीविका सुरक्षा

जलवायु परिवर्तन की स्थिति मानव जीवन को प्रभावित कर रही है, यह एक वैश्विक समस्या है। खेती एवं कृषक वर्ग भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। उनकी आज़ीविका पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में खेती में ऐसे बदलाव करने की आवश्यकता है, जिससे न केवल मृदा की उर्वरता बनाए रखते हुए कृषि उपज़ में बढ़ावा हो साथ ही खेती की लागत में कमी लाकर आय में वृद्धि हो सके।

संस्था सिकोईडिकोन किसानों के साथ विभिन्न आज़ीविका संवर्धन की गतिविधियों का आयोजन कर रही है, इसके तहत् विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षणों का आयोजन, जिससे किसान खेती में नवाचार कर अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं, साथ ही अन्य किसानों को भी प्रेरित कर रहे हैं। पोषण वाटिका एवं किचन गार्डन प्रदर्शनों के माध्यम से न केवल परिवार को पोषण युक्त सब्जियॉ एवं फल मिल रहे हैं अपितु परिवार के रसोई खर्च के व्यय में भी कमी हो रही है। साथ ही अतिरिक्त उत्पादन को बेचकर आय में वृद्धि हो रही है।

समन्वित खेती प्रदर्शनों के माध्यम से जलवायु अनुकूलित खेती में बढ़ावा कर अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं। किसान अन्य फलों के साथ सब्जियॉ, फल एवं मसाला फसलों को उगाना सम्मिलित कर रहे हैं। संस्था द्वारा राजस्थान के चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा एवं शाहबाद खण्डों में वर्ष 2024–25 के दौरान किसानों के साथ जिन मुख्य गतिविधियों का आयोजन किया गया वह इस प्रकार है –

- पंचायत स्तरीय तकनिकी हस्तानान्तरण प्रशिक्षण – 50
- पोषण वाटिका प्रदर्शन – 50
- किचन गार्डन प्रदर्शन – 1000
- शस्य बागवानी प्रदर्शन – 10

श्रीमती गोपाली देवी चाकसू के ग्राम रामपुरा बुजुर्ग में निवास करती है, खेती इनका प्रमुख व्यवसाय है। परम्परागत रूप से यह खाद्यान्न, दलहन एवं सरसों की खेती करती रही है। वर्ष 2022–23 में गोपाली देवी का चयन पोषण वाटिका प्रदर्शन के लिये हुआ, जिसके तहत् संस्था द्वारा फलदार पौधे, जैसे– नींबू, आंवला, अमरूद, चींकू, जामुन, अनार आदि के पौधे उपलब्ध करवाये गये। साथ ही सब्जियों के बीज / पौधे उपलब्ध करवाये गये।

फल एवं सब्जियों की खेती प्रारम्भ करने से परिवार को भरपूर पोषण युक्त सब्जियॉ उपलब्ध हो रही है। आय का अतिरिक्त साधन भी बना है। वर्ष 2024–25 में फसल एवं सब्जियों की बिक्री से रू.30,000 की अतिरिक्त आय हुई है। गोपाली देवी अपने इस अनुभव का समुदाय में बड़े गर्व से साझा करती है।

कृषि उत्पादन के अलावा लघु उद्योग द्वारा आय संवर्धन एक चुनौती रही है। संस्था के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों द्वारा चाकसू ब्लॉक के शिलकी डूंगरी में शितला मसाला उद्योग लघु इकाई की स्थापना की गई। इस उद्योग के माध्यम से महिलायें स्वरोजगार को अपनाकर अतिरिक्त आय अर्जन का प्रयास कर रही है। इस लघु उद्योग के माध्यम से लोगों को शुद्ध पिसे हुए मसाले हल्दी, मिर्च, धनिया उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जा रहा है।

युवाओं के क्षमतावर्धन हेतु संस्था सदैव प्रयासरत रही है। कम्प्यूटर शिक्षा आज की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को कम्प्यूटर शिक्षा के अवसर उपलब्ध करवाने हेतु संस्था द्वारा फागी, निवाई, मालपुरा एवं शाहबाद खण्डों में कम्प्यूटर शिक्षा के पाठ्यक्रम आयोजित करवाये गये। इसके तहत् वर्ष 2024– 25 में 324 युवाओं ने 3 महीने का RSCIT पाठ्यक्रम पूर्ण किया, जिससे न केवल उनकी कम्प्यूटर की दक्षता में वृद्धि हुई साथ ही वे विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी नौकरियों में आवेदन की योग्यता हासिल कर पाए हैं।

चरागाह अतिक्रमण मुक्त करवाने हेतु किसान सेवा समिति एवं ग्राम पंचायत का साझा प्रयास

किसान सेवा समिति माधोराजपुरा द्वारा गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाने हेतु पिछले दो वर्षो से लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों के तहत् तहसीलदार, उपखण्ड अधिकारी व मुख्यमंत्री महोदय को किसान सेवा समिति की ओर से लगातार ज्ञापन एवं रिमाइन्डर देने के बाद इस माह जुलाई व अक्टूबर, 2024 में फागी एवं माधोराजपुरा ब्लॉक में करीब 800 बीघा चारागाह को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया था।

ग्राम विकास समिति सरस्वतीपुरा, परवण, मण्डावरा के प्रतिनिधियों ने अप्रेल माह में तहसीलदार व उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन देकर चारागाह भूमि पर भूमाफियों द्वारा हो रहे अतिक्रमण को हटवाने हेतु ज्ञापन दिया गया। ब्लॉक स्तरीय अधिकारीयों ने हल्का पटवारी से उपरोक्त गांवों की वास्तविक रिपोर्ट लेकर अतिक्रमणियों पर आवश्यक कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिये। लेकिन उपरोक्त कार्यवाही महज कागजी ही लगी। इसके बाद हनुमान प्रसाद जाट, ग्राम विकास समिमि अध्यक्ष, ग्राम सरस्वतीपुरा ने ग्राम विकास समिति प्रतिनिधियों, ग्रामवासीयों व ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमति गडूली देवी को साथ लेकर उपखण्ड अधिकारी को पुनः ज्ञापन दिया। साथ ही अप्रेल माह में ग्राम विकास समिति अध्यक्ष व ग्राम पंचायत सरपंच की अगुवाई में श्री राजेश कुमार मीणा, उपखण्ड अधिकारी, माधोराजुरा को पुनः ज्ञापन देकर उचित कार्यवाही करने की मांग की गई, जिससे उपखण्ड अधिकारी श्री राजेश कुमार मीणा ने उपरोक्त चारागाह को अतिक्रमण मुक्त करने हेतु तहसीलदार माधोराजपुरा को आवश्यक कार्यवाही अविलम्ब करने हेतु बताया। जिन किसानों ने अतिक्रमण कर रखा था उन पर 90–ए की कार्यवाही करके जुर्माना वसुला गया एवं तहसीलदार माधोराजपुरा द्वारा अतिक्रमण हटाने हेतु 5 पटवारी व गिरदावरों की टीम का गठन करके ग्राम पंचायत को आवश्यक संसाधन जैसे जेसीबी, लेबर व अन्य व्यवस्थाओं हेतु आदेशित किया।

दिनांक 23 अक्टूबर, 2024 को श्रीमान् उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, थाना ईन्चार्ज मय जापता टीम के ग्राम सरस्वतीपुरा में पहुँचे और 247 बीघा चरागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाकर एक मिसाल कायम की।

एक बीघा श्मशान भूमि से भी हटाया अतिक्रमण

8 घंटे तक चली 5 जेसीबी मशीनें
247 बीघा भूमि अतिक्रमण मुक्त

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

श्मशान भूमि मुक्त होने से मिली राहत

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

बुजुर्ग एवं युवा सम्मेलन का हुआ आयोजन

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा के महेश सेवा सदन में सिकोईडिकोन संस्था व किसान कल्याण सेवा समिति मालपुरा के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय बुजुर्ग एवं युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सोमवार को आयोजित सम्मेलन के बारे में जानकारी देते हुए कार्यक्रम समन्वयक प्रहलाद जाट ने बताया कि कार्यक्रम में सम्माननीय अतिथि के रूप में सेवानिवृत वैज्ञानिक डॉ. जे.एस.मान, सेवानिवृत प्रधानाचार्य गिरधर सिंह सहित दुर्गालाल नामा, पुरूषोतम शर्मा, पूर्व बैंक मैनेजर रामजीवन खींची ने भाग लिया। अतिथियों ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान में युवा पीढ़ी बुजुर्गों से तालमेल नहीं बना पा रही है। साथ ही युवा पीढ़ी बुजुर्गों के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी भी भूलती जा रही है। युवा पीढ़ी द्वारा बुजुर्गों की अनदेखी करना, बुजुर्गों के द्वारा दिए गए ज्ञान से सीख नहीं लेना आम बात है। युवा पीढ़ी का अपने नैतिक दायित्व से भटकने का मुख्य कारण बुजुर्गों की अनदेखी करना ही माना जा रहा है। सम्मेलन के दौरान बुजुर्गों व युवाओं में किस तरह समन्वय स्थापित किया जा सकता है इस पर गहन चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। वहीं सेवानिवृत प्रधानाचार्य गिरधर सिंह ने केन्द्र और राज्य सरकार की ओर से बुजुर्गों के विकास एवं कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी देकर इनसे लाभान्वित होने के तौर तरीको के बारे में बताकर जागरूक रहकर योजनाओं का लाभ लेने का आव्हान किया गया।

सम्मेलन में कल्याण किसान सेवा समिति अध्यक्ष जगदीश शर्मा ने भी विचार प्रकट किए। साथ ही समन्वयक प्रहलाद जाट ने युवाओं को हमेशा बुजुर्गों साथ मिलकर आगे बढ़ने की सीख दी। सम्मेलन में समन्वयक मोहन मीणा, स्वास्थ्य मित्र सखी सुमन वैष्णव, ममता यादव भी मौजूद रहे।

सम्मेलन में चांदसेन, बृजलालनगर, हाथकी, चैनपुरा, कुरथल व सदरपुरा के 75 बुजुर्गों व युवाओं ने भाग लिया।

बुजुर्ग युवा सम्मेलन– दिनांक 1 अक्टूबर, 2024 को सिकोईडिकोन शाखा कार्यालय माधोराजपुरा में अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष पर बुजुर्ग एवं युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें 53 महिला व 62 पुरुषों सहित कुल 115 वृद्धजन व युवाओं ने बैठक में भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत युवाओं द्वारा बुजुर्गों के तिलक लगाकर की गई। इसके बाद किसान सेवा समिति अध्यक्ष श्री हनुमान शरण यादव द्वारा सभी आगन्तुकों का स्वागत किया और कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार बुजुर्गों की जनसख्या स्वास्थ्य सेवाओं में बढोतरी के कारण बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1990 में बैठक करके वृद्धजनों की समस्याओं पर स्थानीय सरकारों को ध्यान देने एवं उनके कल्याण हेतु विभिन्न प्रयास करने पर जोर दिया गया तथा 1 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मानने की घोषणा की गई और इसके बाद 1 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्‌देश्य युवाओं व सरकारों को वृद्धजनों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर ध्यान दिलाना, वृद्धजनों पर हो रही हिंसा को कम करना एवं वृद्धजनों को समाज व परिवार में उचित सम्मान दिलाने हेतु सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हुये युवाओं को वृद्धजनों के प्रति संवेदनशील बनाना है।

किसान सेवा समिति महासंघ सचिव श्री भगवान सहाय दाधिच जी ने बताया कि समाज में सबसे बडी चुनौती माता–पिता की सेवा करना है। आज के युवा बुजुर्गो का सम्मान करना भूल गए। युवाओं को समझाना होगा कि बुजुर्ग हमारे ऊपर बोझ नहीं है बल्कि बुजुर्ग हमारी धरोहर है। बुजुर्ग हमारे लिए वो खजाना है जो एक बार चला गया तो वापस आने वाला नहीं है। सरकार बुजुर्गों के सम्मान में सामाजिक सुरक्षा योजना से जोड़कर उनको पेंशन देकर उनका सम्मान कर रही है।

माता–पिता अपने बच्चों को बुजुर्गों के साथ नहीं बैठने देते है उनको फोन देकर उसमें व्यस्त कर देते थे। पुराने जमाने में लोग एक कुए से पानी पीना, एकसाथ बैठकर खाना खाना, संयुक्त परिवार में रहना आदि कल्चर था जो अब धीरे–धीरे बन्द हो गया है। संयुक्त परिवार नहीं रहने के कारण वृद्धजन आज बोझ बन गये है।

पेंशनर समाज के सचिव लल्लू जी कुमावत ने बताया कि बुजुर्ग भी आपने पोते–पोतियों के सामने गाली निकालते हैं, जिसका सीधा प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। जीवन का अनुभव साझा करते हुए बताया कि जैसा हम लोग करेंगे वैसा ही हमारी अगली पीढ़ी करेगी। आज के युवा नशे की लत में ज्यादा पड़ते जा रहे हैं जो गलत है, युवाओं को अपने भविष्य की सोचना चाहिए।

सरकार द्वारा बुजुर्गों की सेवाओं के लिए निशुल्क शिविर लगाए जाते है जिसका हमें लाभ लेना चाहिए। बुजुर्गों के पास जो ज्ञान व अनुभव है उसको युवाओं के साथ साझा करना चाहिए ताकि हमारी विरासत और संस्कृति आगे बढ़ती रहे।

स्वास्थ्य विभाग से एएनएम सुनिता देवी जी ने बताया कि बुजुर्गो को धूम्रपान नहीं करना चाहिए और समय–समय पर जांच करवानी चाहिए। इस उम्र में बीपी और शुगर की समस्या ज्यादा होती है। अतः समय–समय पर अपने स्वास्थ्य की जॉच करवाने के साथ–साथ खानपान पर भी घ्यान देना चाहिए।

युवा मंडल सदस्य ने सभी युवाओं से अनुरोध किया कि सबसे पहले हम स्वयं पहल करें, जिसमें अपने परिवार के दादा–दादी के साथ बैठे। युवा साथी जो समय सोशल मीडिया पर व्यतीत करते हैं उसमें से कुछ समय निकालकर बुजुर्गों के साथ समय व्यतीत करें तो उनका लाभ मिलेगा और इस प्रकार के छोटे– छोटे प्रयास करने से ही हम समाज को बदल सकते है।

जैसलमेर, जोधपुर में संस्था द्वारा किए गए कार्य

संस्था सिकोईडिकोन राजस्थान के जैसलमेर व जोधपुर एवं बाड़मेर जिलों में जन सहभागिता के साथ विकास कार्यों में संलग्न है।

संस्था विगत 17 वर्षों से सुजलॉन फाउन्डेशन के सहयोग से क्षेत्र में विभिन्न विकास की गतिविधियों को आयोजित कर रही है। अन्य कार्यों के साथ–साथ संस्था द्वारा जल संरक्षण हेतु करवाये गये कार्यों से क्षेत्र में मवेशियों एवं लोगों के पीने के पानी की उपलब्धता बढ़ी है। साथ ही इस कार्य से असंख्य वन्य पशु– पक्षी भी लाभान्वित हो रहे हैं। नाड़ी गहरीकरण कार्य से नाड़ियों में अधिक वर्षा जल संरक्षित हुआ है, जिससे समुदाय को 2 से 2.5 माह अतिरिक्त पानी की उपलब्धता हुई। वर्ष 2024–25 में संस्था द्वारा सुज़लॉन फाउन्डेशन के सहयोग से जैसलमेर एवं जोधपुर के 87 गांवों में जिनमें भीमसर, मोतीसर, भू– हड्डा, सेलत, केतु कला एवं बेगारिया सम्मिलित है। जल संरक्षण के अतिरिक्त वर्ष 2024–25 में जिन मुख्य गतिविधियों को क्रियान्वित किया गया, उनमें प्रमुख है :–

- ❖ होनहार छात्रों को छात्रवृत्ति – 05
- ❖ पक्षियों के दाना–पानी हेतु व्यवस्था – 56 गांव
- ❖ कम्पोस्ट पिट प्रदर्शन – 03 गांव
- ❖ विद्यालयों में ईलर्निंग हेतु टेलीविजन – 58
- ❖ उद्यानिकी प्रशिक्षण – 07 गांव
- ❖ किचन गार्डन – 05 गांव
- ❖ टांकों को छत से जोड़ना – 07 गांव
- ❖ विद्यालयों में फर्नीचर व अन्य सामग्री – 09 गांव
- ❖ महिलाओं के लिये सिलाई प्रशिक्षण – 06 गांव
- ❖ ऑखों की जांच हेतु कैम्प – 32 गांव

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त संस्था स्वच्छता जागरूकता हेतु गांवों को प्लास्टिक कचरे से मक्त करने हेतु लोगों को प्रेरित कर रही है। वृक्षारोपण की महत्ता को देखते हए 93 गांवों में 5888 विभिन्न किस्मों के पौधों का पौधारोपण करवाया गया।

मूल अधिकार' थीम के अंतर्गत सम्पादित गतिविधियाँ

निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों (ईडब्ल्यूआर) के लिए उन्नत नेतृत्व और प्रशिक्षण : मालपुरा, फागी और चाकसू ब्लॉक में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का केंद्र नेतृत्व विकास, प्रभावी शासन और समुदायिक जुटाव पर था, जिसका उद्देश्य इन नेताओं की अपने समुदायों के भीतर परिवर्तन लाने की क्षमताओं को मजबूत करना था। प्रत्येक 3 ब्लॉकों से लगभग 26 निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया, जिससे नेतृत्व कौशल और शासन में उनकी महत्वपूर्ण स्थिति की गहरी समझ को बढ़ावा मिला।

संगठन स्तर पर शोषण और यौन शोषण की रोकथाम के उपायों को मजबूत करना : सभी कर्मचारियों, महिलाओं और लड़कियों को यौन शोषण और दुर्व्यवहार से बचाने की अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के लिए संगठन ने यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार रोकथाम (पीएसईए) नीति के तहत् स्थापित अपनी आंतरिक समिति की एक बैठक बुलाई। व्यापक जागरूकता के महत्व को स्वीकारते हुए, हमने अपनी पीएसईए नीति की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित करते हुए एक हिन्दी भाषा का ब्रोशर भी विकसित किया है, ताकि व्यापक पहुंच और समझ सुनिश्चित की जा सके।

लैंगिक आधारित हिंसा (जीबीवी) और परामर्श पर फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं का क्षमता निर्माण : मालपुरा, निवाई, माधोराजपुरा और चाकसू ब्लॉक में एक क्षमता–निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें लैंगिक आधारित हिंसा (जीबीवी) से निपटने के लिए प्रत्येक 4 ब्लॉकों से लगभग 35 फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं (एफएलडब्ल्यू) ने भाग लिया। कार्यशाला में लैंगिक भेदभाव, जीबीवी, पॉक्सो, घरेलू हिंसा अधिनियम, पोश अधिनियम, पीसीएमए और पीसीपीएनडीटी अधिनियम जैसे कानूनी ढांचे और पीड़ितों के लिए समर्थन प्रणालियों सहित प्रमुख मुद्दों का पता लगाने के लिए इंटरैक्टिव चर्चाओं, सहभागी तरीकों और फिल्मों का उपयोग किया गया। फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं ने सामुदायिक आधारित प्रणाली स्थापित करने और पीड़ितों की सुरक्षा और सहायता करने में अपनी भूमिकाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला ने फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के परामर्श कौशल को मजबूत किया, उन्हें जीबीवी से संबंधित मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाया और उन्हें हैंडहोल्डिंग समर्थन प्रदान करने की उनकी क्षमता को बढ़ाया।

जीवन कौशल, प्रजनन और यौन स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण : पांच ब्लॉकों में सभी पांच ग्राम पंचायतों के किशोर बालिकाओं के सक्रिय सदस्यों के लिए 2 ब्लॉक–स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिसमें प्रत्येक 2 प्रशिक्षण सत्रों में 3000 से अधिक किशोर बालिकाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रशिक्षण का ध्यान प्रतिभागियों को आवश्यक जीवन कौशल विकसित करने और इंटरैक्टिव और सहभागी गतिविधियों के माध्यम से प्रजनन आौर यौन स्वास्थ्य के बारे में जागरूता बढ़ाने पर था।

बालिका–अनुकूल ग्राम पंचायत विकसित करना : एक प्रमुख पहल पांच ब्लॉकों में से प्रत्येक में एक ग्राम पंचायत को एक मॉडल बालिका–अनुकूल समुदाय में बदलना है। सभी पांच चयनित ग्राम पंचायतों में हितधारक बैठकें आयोजित की गई हैं, जिसमें स्थानीय नेताओं (सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी, पंचायत शिक्षा अधिकारी और मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी) से महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त किया गया है। स्थानीय अधिकारियों को शामिल करके, यह पहल स्थिरता सुनिश्चित करती है और लड़कियों को उज्जवल भविष्य बनाने के लिए सशक्त बनाती है।

स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य शिविर : सभी ब्लॉकों में विशेष रूप से किशोर बालिकाओं के लिए स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए हैं, जिसमें आवश्यक स्वास्थ्य और पोषण प्रथाओं के बारे में उनकी जागरूकता बढ़ान पर ध्यान केंद्रित किया गया हे। शिविर में समग्र कल्याण के लिए संतुलित आहार के तहत्व पर जोर दिया गया और एनीमिया के लक्षणों और लक्षणों की पहचान करने के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को स्वस्थ हिमोग्लोबिन स्तर बनाए रखने के लिए लोहे और फोलिक एसिड की गोलियों के सेवन सहित निवारक उपायों के बारे में शिक्षित किया गया। इन स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से 800 से अधिक किशोर बालिकाओं को लाभ हुआ है।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण और सशक्तिकरण कार्यशालाएँ : शिक्षा विभाग के सहयोग से सभी ब्लॉकों में आत्म रक्षा तकनीकों पर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है। 500 से अधिक किशोर बालिकाओं को आत्मरक्षा कौशल में प्रशिक्षित किया गया है। ये प्रशिक्षित लड़कियां अब अपने स्कूलों और गांवों में साथियों के साथ अपने ज्ञान और कौशल को साझा करके दूसरों को सशक्त बना रही हैं, जिससे समुदाय के भीतर आत्मविश्वास और सुरक्षा की एक लहर पैदा हो रही है।

डिजिटल सखी के माध्यम से युवा लड़कियों को सशक्त बनाना : कई समुदायों में, युवा लड़कियों को लैंगिक आधारित हिंसा (जीबीवी) और व्यवस्थित भेदभाव जैसी चुनोतियों का सामना करना पड़ता है। डिजिटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए, पांच ब्लॉकों में एक प्रशिक्षण पहल ने 100 लड़कियों को सोशल मीडिया का उपयोग करके जीबीवी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के कौशल से सशक्त बनाया, जिससे वे सामुदायिक परिवर्तन एजेंट बन सके। प्रशिक्षण में स्मार्टफोन–आधारित फोटोग्राफी, वीडिया बनाना और सरकारी योजनाओं और आय–उत्पादक अवसरों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक पहुंच शामिल थी, जिससे उनके विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला।

कुपोषण के समाधान के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम : शाहबाद ब्लॉक के 10 गांवों में एक कुपोषण जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें बच्चों, माताओं, किशोर बालिकाओं और समुदाय के सदस्यों सहित 500 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया। इस पहल का ध्यान परिवारों को पोषण, कुपोषण के प्रभावों और स्तनपान, स्वच्छता और बाल स्वास्थ्य जैसे सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में शिक्षित करना था।

कुपोषण की चुनौतियों का अधिक प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण : कुपोषण से प्रभावी ढंग से निपटने की उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए 87 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशाओं के लिए एक ब्लॉक–स्तरीय पप्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का ध्यान फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को कुपोषण के कारणों, प्रभावों और रोकथाम के बारे में ज्ञान से लैस करने पर था, जिसमें बच्चों के शारीरिक आौर संज्ञानात्मक विकास और माताओं के स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव पर जोर दिया गया था। प्रतिभागियों को कुपोषण के शुरूआती लक्षणों की पहचान करने, उचित पोषण प्रथाओं को बढ़ावा देने आौर परिवारों को संतुलित आहार, स्तनपान और स्वच्छता के बारे में शिक्षित करने में प्रशिक्षित किया गया। इस पहल का उद्देश्य फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को अधिक प्रभावी सामुदायिक–आधारित, हस्तक्षेप प्रदान करने के लिए सशक्त बनाना है, जिससे बेहतर स्वास्थ्य और पोषण परिणामों में योगदान हो सके।

बुजुर्ग– युवा सम्मेलन : माधोराजपुरा, शाहबाद, चाकसू, मालपुरा और निवाई, इन सभी 5 ब्लॉकों में बुजुर्ग–युवा सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें बुजुर्ग व्यक्तियों और युवाओं सहित 250 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। इस कार्यक्रम ने अंतर–पीढ़ीगत एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डाला, बुजुर्गों को प्रासंगिक योजनाओं और कानूनों से अवगत कराया, जबकि युवाओं को बुजुर्ग लोगों की जरूरतों आौर चुनौतियों के प्रति संवेदनशील बनाया। सभी बुजुर्गों काो युवाओं द्वारा सम्मानित किया गया और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सम्मान, समर्थन और सामुदायिक देखभाल को बढ़ावा दिया गया।

चाइल्ड डवलपमेंट प्रोजेक्ट

सिकोईडिकोन द्वारा चाइल्ड फंड इंडिया के सहयोग से जयपुर जिले के जोबनेर और रेनवाल ब्लॉक, अलवर जिले के तिजारा व कोटकासिम ब्लॉक एवं उदयपुर जिले के कोटड़ा ब्लॉक में चाइल्ड डवलपमेंट प्रोजेक्ट संचालित किया जा रहा है। कुल 46 गॉवों में संचालित इस परियोजना के माध्यम से मुख्यतः बाल विकास, पोषण एवं आजीविका से जुड़े विषयों पर काम किया जा रहा हे। इस परियोजना में कुल 1278 लाभार्थी जुड़े हुए हैं, जिनकी आयु 6 से 24 वर्ष तक है।

मुख्य गतिविधियाँ

- युवाओं को स्वयं का उद्यम शुरू करने और स्वरोजगार हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से 52 युवाओं के साथ एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें उद्यम कौशल एवं स्वरोजगार के संभावित अवसरों की जानकारी दी गई।

- बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए 57 माता–पिता/संरक्षकों के साथ कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें बच्चों, किशोर–किशोरियों की जरूरतों, चुनौतियों को समझते हुए उनके साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने के तरीके बताए गए।

- 455 परिवारों को पोषण वाटिका के लिए सब्जी व फलों के बीच वितरित किए गए। पोषण वाटिका के माध्यम से ये परिवार न केवल अपने परिवार की पूर्ति कर सकते हैं बल्कि आय में भी वृद्धि कर सकते हैं।

- 3 समुदाय आधारित सीख केंद्र स्थापित किए गए, जिनसे 90 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

- 24 प्रतिभाशाली लड़कियों को अपनी शिक्षा को निरन्तर जारी रखनी के लिए 15000 रूपए की फैलोशिप प्रदान की गई।

यह राशि न केवल शिक्षा को आगे बढ़ाने में मदद करेगी बल्कि इससे जेंडर समानता व नेतृत्व क्षमता को भी बढ़ावा मिलेगा।

- 120 बालक–बालिकाओं को कैरियर कांउसलिंग के माध्यम से उनके भविष्य की संभावनाओं पर मार्ग– दर्शन प्रदान किया गया।

- 15 लड़कियों को उनका स्वयं का उद्यम शुरू करने के लिए सिलाई मशीन प्रदान की गई, जिससे वे स्वयं अपने पांव पर खड़ी हो सके और अपनी पहचान बना सके।

- 74श्युवाओं को एक बिजनेस मॉडल का भ्रमण करवाया गया, जहॉ उन्होने डेयरी, आंवला उत्पादन और प्रसंस्करण यंत्र देखे। इस भ्रमण का उद्देश्य युवाओं में स्वरोजगार के प्रति रूचि व प्रेरणा जागृत करना था।

- 195 किसानों को बाजरा–ज्वार के बीज उपलब्ध करवाए गए ताकि जलवायु अनुकूलन खेती एवं मोटे अनाज के महत्व को बढ़ावा मिले और ससत् कृषि पर समझ बन सके।

- बाल अधिकार, बाल विवाह रोकथाम एवं बाल सुरक्षा पर रैली, शपथ व हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस अभियान के माध्यम 300 लोगों तक पहुॅच सुनिश्चित हुई।

कोटड़ा ब्लॉक, उदयपुर

- 200 गर्भवती महिलाओं एवं कुपोषित बच्चों को आयरन के खाद्य पैकेट वितरित किए गए ताकि उनका स्वास्थ्य व पोषण सुनिश्चित हो सके।

- मातृ एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल के लिए 50 स्वास्थ्य प्रदाताओं का प्रशिक्षण किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य समुदाय में स्वस्थ प्रजनन व पोषण से भरपूर मातृत्व के लिए वातावरण निर्माण करना है।

- 14 सरकारी विद्यालयों में बाल सीख केन्द्र स्थापित किए गए, जिनकी 420 बच्चों तक पहुॅच है।

- स्पोर्ट्स फॉर प्रोटेक्शन कार्यक्रम के तहत मेन्टर्स, सहाय मेन्टर्स व वालंटियर्स का चयन किया गया एवं कोटड़ा के 4 गांव के 208 बच्चों के साथ विभिन्न सत्रों का आयोजन हुआ।

- जगरूकता अभियन के तहत बाल अधिकार एवं बाल सुरक्षा पर माता–पिता, बच्चों, स्वास्थ्य प्रदाताओं व पंचायत प्रतिनिधियों को जागरूक किया गया। इस अभियान में 1200 लोगों तक पहुॅच बनी।

- 200 परिवारों को चना, सोयाबीन व बाजरे के बीज उपलब्ध करवाए गए ताकि सतत् कृषि को बढ़ावा मिले व लाभार्थियों की आजीविका में वृद्धि हो सके।

यूएनएफपीए के सहयोग से संचालित परियोजना

सिकोईडिकोन द्वारा UNFPA (संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष) के सहयोग से ''स्वाभिमान'' परियोजना को क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसको उद्देश्य यौन और प्रजनन स्वास्थ्य तथा अधिकारों को बढ़ावा देना है। साथ ही समाज के हाशिए पर पड़े और कमज़ोर वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले युवाओं एवं किशोरियों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए मानव अधिकार आधारित, लिंग परिवर्तनकारी और साक्ष्य–उचित दृष्टिकोण अपनाना है। लिंग आधारित हिंसा और हानिकारक प्रथाओं को संबोधित करना परियोजना के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है।

वर्ष 2024–25 के प्रमुख कार्य

- 11 चिकित्स्य सुविधाओं को लक्ष्य प्रमाणीकरण (LaQSHAY सर्टिफ़ाइड) करवाया गया है।
- उच्च मातृत्व देखभाल एवं प्रसव सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए 3 प्रसव कार्यशाला करवाई गई, जिसमें संबंधित चिकित्सा अधिकारी एवं स्टाफ ने भागीदारी निभाई।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत 3 दिवसीय राज्य स्तरीय मातृत्व स्वास्थ्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में PGIMER चंडीगढ़ द्वारा मातृ मृत्यु निगरानी और प्रतिक्रिया (एमडीएसआर) पर की गई स्टडी को साझा किया गया। यह स्टडी 12 चिकित्सा सुविधाओं में की गई है।
- राजस्थान पुलिस एकेडमी (आरपीए) में महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए विशेष जांच इकाई (SICUAW) के 46 अधिकारियों का प्रशिक्षण करवाया गया। प्रशिक्षण में संबंधित इकाइयों के 8 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 2 पुलिस उपाधीक्षक, 7 पुलिस निरीक्षक, 18 उप–निरीक्षक, 5 सहायक उप– निरीक्षक और 6 कांस्टेबल ने भागीदारी की।
- राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत , 12 नए जिलों को शामिल किया गया है। इन जिलों के 48 प्रतिभागियों का दो दिवसीय राज्य स्तरीय आमुखीकरण किया गया।
- राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत, राज्य स्तरीय अभिसरण (कन्वर्जेंस) सह समीक्षा एवं योजना बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला स्तरीय स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के 80 अधिकारियों के द्वारा भागीदारी की गई।

न्याय तक पहुँच परियोजना

न्याय तक पहुँच (Access to Justice) परियोजना कैलाश सत्यार्थी फाउण्डेशन के सहयोग से टोंक व जैसलमेर जिले में सिकोईडिकोन द्वारा संचालित की जा रहीं है। टोंक व जैसलमेर जिले बाल संरक्षण के दृष्टिकोण से संवेदनशील क्षेत्र माने जाते हैं। इस परियोजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर बच्चा विशेष रूप से जो शोषण, तस्करी, बाल विवाह या बाल श्रम का शिकार है– उसे समय पर न्याय, पुनर्वास व सुरक्षा मिल सके। सामुदायिक भागीदारी, सरकारी योजनाओं से जुड़ाव और विधिक सहायता के माध्यम से यह पहल बच्चों के लिए सुरक्षित व न्याय संगत वातावरण बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बाल विवाह की रोकथाम : बाल विवाह को रोकने एवं समुदाय को इसके कानूनी और सामाजिक दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से टोंक व जैसलमेर के 100 गॉवों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए, बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत् गांवों में रैलियॉ व प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस पहल के माध्यम से संस्था द्वारा 120 बाल विवाह रोके गए एवं 60000 लोगों ने बाल विवाह के विरूद्ध शपथ ली।

बाल तस्करी को रोकना : बाल तस्करी व बाल श्रम को रोकने व बच्चों को शिक्षा, पुनर्वास, सुरक्षा और न्याय से जोड़ने हेतु जागरूकता कार्यक्रम के अतिरिक्त जिला स्तर पर हितधारकों के साथ बैठकें की गई, चिन्हित स्थानों पर बच्चों को तस्करी व बालश्रम से छुडवाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। साथ ही ऐसे परिवारों को सरकारी योजनाओं से भी जोड़ा गया। इस अभियान के तहत् 160 बच्चों को बाल तस्करी व बालश्रम से मुक्त करवाया व उनके पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू की गई।

पत्रिका

माय सिटी 16 राजस्थान पत्रिका

टोंक, गुरुवार, 28 नवम्बर, 2024

[नटवाड़ा . नगरफोर्ट . सिरस . मेहन्दवास]

विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन : न्यायाधीश ने बाल विवाह अधिनियम की दी जानकारी

'बाल विवाह सामाजिक कुरीति, जागरूकता से ही होगी खत्म'

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

टोंक. बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के पोस्टर का विमोचन करते अतिथि।

यौन शोषण के खिलाफ वातावरण निर्माण : यौन शोषण के खिलाफ पीड़ित बच्चों को कानूनी सहायता प्रदान की गई, लोगों को इस संबंध में जागरूक किया गया व 63 मुआवजा फार्म भरवाए गए। इसके अतिरिक्त बाल विवाह व बाल श्रम पर स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वित बैठकें व संवाद के माध्यम से आमजन तक बाल अधिकारों का संदेश पहुँचाया गया।

बाल विवाह अभिशाप है
प्रीति की कहानी

प्रीति, 15 साल की है जो अपने ही गांव में कक्षा 11 में पढ़ रही है। परिवार में माता, पिता एवं चार बहन व एक भाई हैं। घर की आर्थिक स्थिति अधिक ठीक नहीं है, क्योंकि माता–पिता मजदूरी करके बच्चों का पालन करते हैं। प्रीति की दो बड़ी बहने हैं। माता–पिता ने उनकी शादी पहले से ही तय कर रखी थी और उनके साथ ही प्रीति की भी शादी करने का फैसला कर लिया ताकि खर्च कम हो। प्रीति ने परिवार में बताया कि वह पढ़ना चाहती है और पूरी पढ़ाई करके ही शादी करेगी लेकिन परिवार में किसी ने भी उसकी बात का समर्थन नहीं किया। अपने परिवार की आर्थिक स्थिति देखकर वह भी चुप सी हो गई। एक दिन वह स्कूल से घर आ रही थी, उसी समय पर आंगनबाड़ी केन्द्र पर महिलाओं व किशोरी बालिकाओं के साथ ''एक्सेस टू जस्टिस परियोजना'' से जुड़े कार्यकर्ता बाल विवाह पर चर्चा कर रहे थे। बाल विवाह क्या है, इसके नुकसान क्या है, कानून कौन–कौन से हैं? किन–किन लोगों को सजा का प्रावधान है? विस्तारपूर्वक महिलाओं के साथ चर्चा की जा रही थी। प्रीति भी महिलाओं व बालिकाओं को देखकर आंगनबाड़ी पर आ गई, उसने चर्चा सुनी, उसके बाद उसने कार्यकर्ता को बताया कि ''दीदी आप मेरे घर चलकर एकबार मेरे माता–पिता से बात कीजिए, जिससे अभी मेरी शादी नहीं करवाये।'' उसी समय कार्यकर्ता ने स्थानीय सरपंच साहब की मदद से परिवार के सदस्यों से बातचीत करके उनके साथ बाल विवाह के दुष्परिणाम, नुकसान एवं कानूनों पर जानकारी देकर काउंसलिंग की गई। इसके बाद माता–पिता ने फैसला लिया कि वह अभी प्रीति की शादी नहीं करेंगे। इस फैसले से प्रीति की आंखों में जो खुशी झलक रही थी, उसका वर्णन शब्दों में नहीं कर सकते। उसे अपना सपना सच होते दिखाई दे रहा था।

बाल यौन अपराध और बालश्रम पर कार्यशाला का आयोजन

न्यूज सर्विस/नवज्योति, टोंक। नगर परिषद् स्थित सभागार में गुरुवार को बाल अधिकारिता विभाग एवं स्वयंसेवी संस्थान, सिकोईडिकॉन द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव दिनेश कुमार जलुथरिया की अध्यक्षता में बाल यौन अपराध, बालश्रम एवं बाल विवाह पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य समाज में बालकों के अधिकारों की सुरक्षा, बाल यौन शोषण और बालश्रम के खिलाफ जागरूकता फैलाना था। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, गैर सरकारी संगठन सिकॉईडिकॉन के प्रतिनिधियों और समाज के अन्य हितधारकों ने भाग लिया। दिनेश कुमार जलुथरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि बालकों का शारीरिक और मानसिक विकास बेहद महत्वपूर्ण है, और हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी बच्चा शोषण का शिकार न हो। उन्होंने बच्चों के अधिकारों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा सभी उपस्थित हितधारकों को उक्त उक्त विषयों के संज्ञान में आने पर अपने अधिकारक्षेत्र की अधिकतम सीमा तक कार्यवाही करने की शपथ दिलाई। कार्यशाला में डिप्टी चीफ एलएडीसी मोहम्मद सलीम एवं अन्यन विशेषज्ञों ने बाल यौन अपराध और बालश्रम के कानूनी पहलुओं पर चर्चा की और लोगों को इस विषय से संबंधित विभिन्न कानूनों और नीतियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि बालश्रम और यौन शोषण की घटनाओं को कैसे रोका जा सकता है और पीड़ित बच्चों को न्याय कैसे दिलवाया जा सकता है। कार्यशाला का समापन बाल अधिकारिता विभाग एवं सिकॉईडिकॉन के प्रतिनिधियों द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ, जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और समाज में बालकों के अधिकारों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः व्यक्त किया।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का आयोजन

- बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत के बाद किया रैलियों व शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन

टोंक। भारत सरकार की ओर से नई दिल्ली में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत के बाद जिला प्रशासन ने सिकोईडिकोन के सहयोग से किया रैलियों व शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन। इस कार्यक्रम के दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक, दिनेश कुमार ने टोंक को बाल विवाह मुक्त बनाने का दिलाया संकल्प। सिकोईडिकोन बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के देशव्यापी गठबंधन 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' का सहयोगी संगठन है।

भारत सरकार के नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के उद्घाटन के मौके पर जिला प्रशासन ने टोंक में बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे गैरसरकारी संगठन सिकोईडिकोन के साथ मिलकर जागरूकता रैलियों का आयोजन किया और लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 400 से भी ज्यादा जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी सदस्य है।

इस मौके पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक, दिनेश कुमार ने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर समस्या है जो हमारे समाज को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा होगा कि इस समस्या का समाधान करने के लिए हमें एक साथ मिलकर काम करना होगा। उन्होंने लोगों से अपील की होगी कि वे बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाएं और इस समस्या को समाप्त करने में मदद करें।

इस राष्ट्रव्यापी अभियान और जमीन पर इसके असर की चर्चा करते हुए निदेशक पी एम पॉल ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बाल विवाह के खात्मे के लिए महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय की ओर से शुरू किया अभियान इस बात का सबूत है कि सरकार इस सामाजिक बुराई की गंभीरता से अवगत है।

डिजिटल दिशा परियोजना

माधोराजपुरा ब्लॉक में सिकोईडिकोन के नेतृत्व में डिजिटल दिशा परियोजना का उद्देश्य डिजिटल तकनीक से जोड़कर ग्रामीण युवाओं – विशेष रूप से किशोर लड़कियों को सशक्त बनाना है। अप्रैल, 2024 में शुरू की गई इस परियोजना ने संरचित शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से डिजिटल साक्षरता, करियर जागरूकता और जीवन कौशल से युवाओं को जोड़ा जा रहा है। 15–24 वर्ष की आयु की लड़कियों पर केंद्रित इस पहल ने पहुँच की कमी, सामाजिक प्रतिबंध और व्यक्तित्व और व्यावसायिक के सीमित अवसरों जैसी बाधाओं को दूर करने का प्रयास किया है।

25 से अधिक गाँवों में फैली इस परियोजना ने RS-CIT में 110 युवाओं और टैली कोर्स में 16 युवाओं को नामांकित किया। मासिक सत्रों में डिजिटल कौशल, व्यक्तिगत सुरक्षा, लिंग संवेदनशीलता, बायोडाटा निर्माण और मोबाइल साक्षरता को शामिल किया गया। कार्यक्रमों में कानूनी एक्सपोज़र विज़िट और सॉफ्ट स्किल वर्कशॉप शामिल थे। लड़कियों को डिजिटल टूल और सामाजिक चुनौतियों दानों को नेविगेट करने के लिए प्रशिक्षित किया गया, जिसमें से कई ने आत्मविश्वास हासिल किया और नेतृत्व गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। परीक्षा कार्यक्रम और गतिशीलता संबंधी मुद्दों जैसी बाधाओं के बावजूदर, उपस्थिति और जुड़ाव मजबूत रहा।

मार्च, 2025 तक, 120 से अधिक युवाओं को सीधे लाभ हुआ। लड़कियों ने आत्मविश्वास, सामुदायिक भागीदारी और करियर में रूचि में वृद्धि दिखाई। माता–पिता का रवैया अधिक सहायक हो गया, और डिजिटल कौशल में उपल्लेखनीय सुधार हुआ। परियोजना ने प्रदर्शित किया कि लिंग–संवेदनशील, जमीनी स्तर की डिजिटल शिक्षा ग्रामीण युवाओं के लिए अवसरों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती है, जिससे भविष्य की शिक्षा और नेतृत्व के लिए एक मजबूत आधार तैयार हो सकता है।

अनुभूति परियोजना

वित्त वर्ष 2024–25 में, सिकोईडिकोन ने एचडीएफसी बैंक के सहयोग से हरियाणा के भिवानी जिले के लोहारू ब्लॉक में अनुभूति परियोजना को लागू किया। इस परियोजना का उद्देश्य टिकाऊ कृषि, डिजिटल शिक्षा और जलवायु–अनुकूल प्रथाओं के माध्यम से ग्रामीण आजीविका को बढ़ाना था। समुदाय–केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, इस परियोजना ने सरकारी स्कूलों में शैक्षिक बुनियादी ढ़ांचे में सुधार करते हुए छोटे और सीमांत किसानों की ज़रूरतों को पूरा किया। सभी हस्तक्षेप ग्राम विकास समितियों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से किए गए, जिससे समुदाय का स्वामित्व और बड़े पैमाने पर प्रभाव सुनिश्चित हुआ।

स्मार्ट क्लास डेवलपमेंट पहल के तहत, पाँच गाँव के स्कूलों में पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं और स्मार्ट टीवी के साथ आधुनिक कक्षाएँ स्थापित की गई, जिससे बच्चों के सीखने के परिणामों में सुधार हुआ। कृषि में, परियोजना ने छोटे किसानों को 47 पोर्टेबल सैर जल पम्प वितरित करके महत्वपूर्ण प्रगति की, जिससे लागत प्रभावी, पर्यावरण के अनुकूल सिंचाई संभव हुई। इसके अतिरिक्त, 40 किसानों को ड्रिप सिंचाई प्रणाली प्रदान की गई, जिससे जल दक्षता को बढ़ावा मिला और कृषि उत्पादता में वृद्धि हुई। बारालू और दिघावा, शामियान गांवों में कृषि संसाधन केंद्र (FRC) स्थापित किए गए, ताकि उपकरणों और ज्ञान तक साझा पहुंच प्रदान की जा सके। मूल्य–संवर्द्धन

हस्तक्षेपों में मसाला और सब्जी प्रसंस्करण के लिए 2 गांवों में सामूहिक सौर ड्रायर का वितरण और कटाई के बाद के नुकसान को कम करने और उपज के लिए बेहतर बाजार मूल्य सुनिश्चित करने के लिए 5 गांवों में कूलिंग चैंबर का वितरण शामिल था।

अनुभूति परियोजना ने स्मार्ट शिक्षा और टिकाऊ कृषि को आगे बढ़ाकर लोहारू ब्लॉक में सार्थक प्रभाव डाला। छोटे और सीमांत किसानों ने सौर ऊर्जा से चलने वाली और सामूहिक कृषि प्रौद्योगिकियों के माध्यम से बेहतर आय, कम लागत और बेहतर बाजार पहुंच की सूचना दी। इस पहल ने न केवल व्यक्तिगत आजीविका में सुधार किया, बल्कि जलवायु और आर्थिक झटकों के खिलाफ सामुदायिक लचीलापन भी बनाया। सिकोईडिकोन और एचडीएफसी बैंक इन हस्तक्षेपों का विस्तार करने और समावेशी ग्रामीण विकास के अपने मिशन को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दैनिक भास्कर जयपुर-दूदू भास्कर 23-03-2025

चांदमा कला को बालिका हितैषी पंचायत बनाने पर बैठक में चर्चा

भास्कर न्यूज | माधोराजपुरा

माधोराजपुरा | हितैषी पंचायत को लेकर जानकारी देते लोग।

ग्राम पंचायत चांदमा कला के सभा भवन में सीकोईडिकोन संस्था ने बालिका हितैषी पंचायत बनाने को लेकर बैठक की। इसमें पंचायत राज जनप्रतिनिधि, सामुदायिक संगठनों के प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी सहित 50 लोग शामिल हुए।

संस्था शाखा प्रभारी किशन जाट ने बताया कि बालिका हितैषी पंचायत वह होती है, जहां लड़कियों और महिलाओं को सुरक्षित माहौल मिले। उन्हें शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य के समान अवसर मिलें। इसके लिए चांदमा कला पंचायत का चयन किया गया। बैठक में तय हुआ कि सभी बालिकाओं का स्कूल में नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। ड्रॉपआउट प्रतिशत कम करने पर जोर रहेगा। महिलाओं और बालिकाओं के यौन व प्रजनन स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाएगा। पंचायत विकास योजनाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाई जाएगी। पंचायत की विभिन्न कमेटियों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों को जेंडर के प्रति जागरूक किया जाएगा। बालिकाओं के अधिकारों और कानूनों की जानकारी देकर सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने पर जोर रहेगा। किसान सेवा समिति के प्रतिनिधि हरिनारायण सूत्रकार ने सुझाव दिया कि पंचायत के सभी स्कूलों और ग्राम पंचायत भवन में शिकायत पेटी लगाई जाए। बेटी के जन्म पर परिवार को पंचायत की ओर से बधाई संदेश दिया जाए। एएनएम सुनीता चौधरी ने महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण पर जोर दिया। उन्होंने लाडो प्रोत्साहन योजना की जानकारी दी। बताया कि लिंग जांच और बाल विवाह कानूनी अपराध हैं। ग्राम पंचायत सरपंच हीरा देवी ने चांदमा कला को बालिका हितैषी पंचायत के रूप में चयनित करने पर संस्था को धन्यवाद दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पंचायत बालिकाओं के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। पंचायत की विभिन्न कमेटियों और ग्राम सभा में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रशिक्षण में संस्था समन्वय सत्यनारायण योगी और बद्री नारायण बाछला ने विचार रखे।

महिलाओं एवं बालिकाओ के अधिकारो, कानूनी सरंक्षण स्वास्थ्य को लेकर कार्यशाला आयोजित

बदलता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। महेश सेवा सदन में सिकोईडिकोन, महिला अधिकारिता विभाग, तालुका विधिक सेवा समिति के सहयोग से महिलाओं एवं बालिकाओ के अधिकारो, कानूनी सरंक्षण स्वास्थ्य को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजन किया गया। मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में महिला अधिकारिता विभाग की ओर से संरक्षण अधिकारी नेहा जोशी ने इण्डियन पेनल कोड के स्थान पर नए सिरे से लागू भारतीय न्याय संहिता पर विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने बताया कि चिन्तन पर आधारित न्याय प्रणाली है तथा इसमें दंड के स्थान पर न्याय को प्राथमिकता दी गई है। आईपीसी के स्थान पर भारतीय न्याय, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महिला पर्यवेक्षक प्रज्ञा मोटवानी ने महिला सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण कानून के बारे में, सामाजिक न्याय अधिकारी विक्रम सिंह ने मानव अधिकारो, तालुका विधिक सेवा समिति के रवि कुमार जांगिड़ ने लोक अदालतो व चिकित्साधिकारी डॉ. जासिम ने महिला एवं बालिका स्वास्थ्य कन्या भ्रूण हत्या जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा की। कार्यशाला में संस्था शाखा प्रभारी विवेक त्रिपाठी, सत्यनारायण योगी, किसान कल्याण सेवा समिति अध्यक्ष जगदीश शर्मा, समन्वयक मोहन मीणा, स्वास्थ्य मित्र सुमन बैरवा, वन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द्र प्रबन्धक अरुणा शर्मा, कार्यकर्ता आशा शर्मा, मधुबाला टेलर सहित अन्य कई महिलाओं ने विचार रखे।

दैनिक भास्कर 2024-12-02 जयपुर-दूदू भास्कर (4)

जैविक खेती को लेकर पांच पंचायतों की कार्यशाला हुई, 200 किसानों ने जानी उन्नत खेती की तकनीक

भास्कर न्यूज | माधोराजपुरा

माधोराजपुरा पंचायत समिति की ग्राम पंचायतें गोहंदी, डिडावता, बीची, चांदमाकला और डाबीच के किसानों को जैविक खेती पर पंचायत मुख्यालय पर कार्यशाला आयोजित की गई। सिकोईडिकोन समन्वयक प्रहलाद जाट ने बताया कि ग्राम पंचायतों में किसानों का कृषि तकनीक हस्तांतरण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। उन्होंने जैविक खेती के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संस्था द्वारा ग्राम पंचायतों में किसानों को जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु समय-समय पर प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है। किसानों को खेती करने में नई तकनीक सुविधा और जानकारी मिलती रहे जिससे किसानों को खेती करने में परेशानियां नहीं उठानी पड़े। कृषि विशेषज्ञ दक्ष प्रशिक्षक गणेश लाल कुमावत व अनिल मदानी द्वारा किसानों को जानकारी देते हुए कहा कि फसल बुवाई से पहले बीज उपचार करना चाहिए ताकि फसल को रोगों से बचाया जा सके। फसलों में यूरिया खाद का कम प्रयोग कर जैविक खाद को बढ़ावा देना चाहिए। फसलों को रोगों से बचाने हेतु घरेलू स्तर ही दवाइयां बनाना चाहिए जिसमें छाछ, आक, नीम की पत्तियां, बेसन, गुड़ आदि से दवाई बनाकर छिड़काव करना चाहिए। राज्य सरकार के द्वारा किसानों को खेती करने संबंधित यंत्र बीज और खाद पर मिल रही सब्सिडी के बारे में जानकारी दी गई। बैठक मे पांच ग्राम पंचायतों गोहन्दी, चांदमा कला, डीडावता, डाबिच और बीची के 200 किसानों ने भाग लिया जिसमें किसान सेवा समिति सदस्य, युवा मंडल सदस्य, ग्राम विकास समिति सदस्य, अग्रणी किसानों ने भाग लिया।

सिकोईडीकोन व किसान सेवा समिति ने 250 जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

खबरों की दुनिया

निवाई। सिकोईडीकोन व किसान सेवा समिति निवाई द्वारा जरूरतमंदों को कंबलों का वितरण किया गया। शाखा प्रभारी अनीता शर्मा ने बताया कि निवाई क्षेत्र के नयारिया की ढाणी, जनता कॉलोनी, कालबेलिया की ढाणी, सूरिया, राहोली, लुहारा, ललवाड़ी, पन्देड़, आलियाबाद मोड व वनस्थली मोड आदि स्थानों पर 250 वृद्धजनों एवं विशेष योग्यजनों को कम्बल वितरित किए। इस अवसर पर किसान सेवा समिति अध्यक्ष मदनलाल शर्मा, महासंघ अध्यक्ष बद्रीनारायण जाट, राजाराम जाट, दामोदरप्रसाद शर्मा एवं संस्था स्टाफ अर्जुनदेव बैरवा, ममता शर्मा, सोनू चौधरी एवं केदार बैरवा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

बैंठा की 61 वर्षीया सियाबाई सहरिया का राष्ट्रपति भवन में होगा सम्मान

राजपुर। समीपवर्ती बैंठा निवासी स्वच्छ कर्मी 61 वर्षीय सियाबाई पत्नी माधो सहरिया को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम का आमंत्रण मिला है। राष्ट्रपति भवन में सियाबाई का सामाजिक क्षेत्र में बेहतर कार्यों के लिए सम्मान किया जाएगा। सियाबाई साक्षर महिला है। वह गांव में मिलकर महिलाओं को रोपाई, गुड़ाई, बांस की टोकरी आदि वस्तुएं बनाने के लिए प्रेरित भी करती है। इस बार गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति भवन में हस्तशिल्प के संरक्षण, स्वावलंबन, समावेशिता और समानता पर विशेष ध्यान दिया है। एक जिला एक उत्पाद व भौगोलिक संकेतक सम्मिलित उत्पादों के माध्यम से स्थानीय कौशल को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और जनसंगठनों की समन्वय बैठक सम्पन्न

न्यूज सर्विस/नवज्योति, निवाई। सिकोईडिकोन एवं किसान सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में शिवमंगल पैराडाइज में सरकारी अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और जनसंगठनों के साथ समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें निवाई ब्लॉक के विभिन्न विभागों से सरकारी अधिकारी, पंचायत जन-प्रतिनिधियों व जन संगठनों के सदस्यों ने भागीदारी निभाई। शाखा प्रभारी अनीता शर्मा ने बैठक का उद्देश्य बताते हुए बताया कि बैठक के माध्यम से सरकारी योजनाओं, पंचायत के नवाचार व स्थानीय समस्याओं पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्यवक्ता थाना प्रभारी हरिराम वर्मा ने सड़क सुरक्षा, नशाबंदी और साइबर सुरक्षा के प्रति पुलिस प्रशासन के प्रयासों की जानकारी दी। महिला एवं बाल अधिकारिता विभाग से अनुजा ने महिलाओं व बालिकाओं के पोषण व स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। मंडी सचिव डॉ. कमलकिशोर सोनी ने जैविक खेती को बढ़ावा देने एवं किसानों को परंपरागत तरीके से खेती करने के लिए प्रेरित किया। संस्था निदेशक आलोक व्यास ने सरकारी विभाग और जन संगठनों के आपसी समन्वय को बेहतर बनाते हुए साथ में मिलकर काम करने एवं अपने मुद्दों को समस्याओं को पहचान कर उन पर काम करने की जानकारी दी। पशु चिकित्सा अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने पशु बीमा, ब्लॉक बीसीएमएचओ शैलेंद्रसिंह चौधरी ने स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न योजनाओं, शिक्षा विभाग से ओमप्रकाश गौतम व रमेश विजय ने शिक्षा में नवाचार एवं बालिकाओं के लिए छात्रवृत्ति से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं गहलोली से प्रधानाचार्य योगेश नरूका, महिला सलाह सुरक्षा केंद्र से सुनीता शर्मा ने महिला हिंसा से संबंधित व महिला सलाह सुरक्षा केंद्र की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से चर्चा की। बैठक [illegible] गोपाललाल भवानी सिंह, [illegible] ट, कार्यकर्ता अर्जु[illegible] वा, शर्मा व सोनू चौ[illegible] नप्रतिनि, अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

दैनिक भास्कर बारां 27-11-2024

डिजिटल सखी प्रशिक्षण का द्वितीय चरण संपन्न

प्रथम चरण के विषयों का पुनरावलोकन करवाने के साथ प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला

भास्कर न्यूज | शाहाबाद

शाहाबाद.एक दिवसीय डिजिटल सखी प्रशिक्षण द्वितीय चरण का समापन हुआ।

कस्बे में स्थित सिकोईडिकोन संस्था परिसर में सहज ग्रामीण विकास परियोजना के तहत मंगलवार को एक दिवसीय डिजिटल सखी प्रशिक्षण के द्वितीय चरण का समापन किया गया। जिसमें करीब 20 युवतियों ने भाग लिया।

शाखा प्रभारी बद्रीनारायण जाट ने प्रथम चरण के विषयों का पुनरावलोकन करवाने के साथ प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। सहसंदर्भदाता राहुल मालोविया ने राजस्व विभाग की डिजिटल सेवाएं जैसे राजस्थान भू-अभिलेख अधिनियम, जमाबंदी, नामांतरण, गिरदावरी से संबंधित संपर्क पोर्टल, अपना खाता, ई गिरदावरी, ई धरती वेबसाइट आदि की जानकारी दी। साथ ही मुख्यमंत्री आयुष्मान कार्ड, फसल खराबा मुआवजा पर चर्चा की। संदर्भ व्यक्ति देवकी गोस्वामी ने यू ट्यूब पर वीडियो तैयार करने का प्रायोगिक अभ्यास करवाया। प्रशिक्षण के समापन पर संस्था के सत्यनारायण पुरोहित ने अध्यक्षता करते पर जोर देते हुए धन्यवाद दिया। प्रशिक्षण में संस्था के रामप्रसाद जाट, मोहन सिंह राठौड़, अनुराधा जादौन मौजूद थे।

सिकोईडिकोन

सिकोईडिकोन (सेन्टर फॉर कम्यूनिटी इकोनोमिक्स एण्ड डेवलपमेंट कन्सलटैंट्स सोसायटी) एक गैर सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी। यह संगठन समाज के निर्धन और वंचित वर्गों की क्षमता निर्माण के कार्य के प्रति समर्पित है। संस्था कृषि, आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, जलवायु परिवर्तन से जुड़े विकास के विभिन्न मुद्दों पर राजस्थान के 11 जिलों में कार्य कर रही है। सिकोईडिकोन के प्रयासों और पहलों का दायरा राजस्थान में सहभागी समुदायों की क्षमता का निर्माण करने से लेकर राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर रचनात्मक संवाद के मंच तैयार करने तक फैला हुआ है। अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में सिकोईडिकोन अपने बाह्य एवं सहयोगी संगठनों की भागीदारी से कार्य करता है। सतत् विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों की पैरवी करते हुए सिकोईडिकोन राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को प्रभावित करने वाले नीति सम्बन्धी मुद्दों को आगे बढ़ाने हेतु भी प्रयासरत है।

संरक्षक : श्रीमती मंजू जोशी
संपादक : डॉ. आलोक व्यास
ग्राफिक्स : रामचन्द्र शर्मा व भँवरलाल जाट

BOOK POST

शैक्षणिक, सीमित व निजी प्रसार हेतु प्रकाशित :-

सेन्टर फॉर कम्यूनिटी इकोनोमिक्स एण्ड डेवलपमेंट कन्सलटैंट्स सोसायटी

स्वराज परिसर, एफ-159-160, औद्योगिक व संस्थागत क्षेत्र सीतापुरा, जयपुर-302022 (राज.)
फोन : 0141- 2771855, 7414038811/22 फैक्स : 0141-2770330
ई-मेल : cecoedecon@gmail.com वेबसाईट : www.ceocedecon.org.in